

भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

02.04.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 5079 का उत्तर

रेल पटरियों का नवीकरण

5079. श्री कंवर सिंह तंवर:

श्री अरुण गोविल:

डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:

श्री लुम्बाराम चौधरी:

श्री शीरंग आप्पा चंदू बारणे:

श्री जनार्दन मिश्रा:

श्रीमती भारती पारधी:

श्री बजरंग मनोहर सोनवणे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या यह निर्धारित करने के लिए कोई स्थापित मानदंड हैं कि किसी रेल पटरी का नवीकरण कब किए जाने की आवश्यकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) वर्तमान में पटरियों के नवीकरण संबंधी कितनी परियोजनाएं लंबित पड़ी हुई हैं और इसके समाधान हेतु क्या योजना है;
- (ग) फरवरी, 2025 की स्थिति के अनुसार, 2014-15 से 2024-25 की अवधि के दौरान विशेषकर राजस्थान के आकांक्षी जिले सिरोही, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में नवीकृत की गई पटरियों के खंड का राज्य/जोन-वार ब्यौरा क्या है;
- (घ) वित्त वर्ष 2014-15 से 2024-25 तक उक्त कार्य हेतु आवंटित, जारी और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है;
- (ङ) वर्ष 2024 के दौरान रेलवे द्वारा लदान किए गए माल का ब्यौरा क्या है;
- (च) 130 किमी. प्रति घंटा तक की गति हेतु नवीकरण/उन्नयन की गई पटरियों के खंड का जोन-वार ब्यौरा क्या है;
- (छ) फरवरी, 2025 तक समर्पित मालभाड़ा गलियारों के लिए कितनी निधि आवंटित, जारी और उपयोग की गई है; और

(ज) समर्पित मालभाड़ा गलियारों के प्रचालन की स्थिति और निर्धारित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): रेलपथों का उन्नयन और नवीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। रेलपथ का नवीकरण उसकी आयु, वहन किए गए यातायात, अवस्था आदि के आधार पर निहित मानदंडों के अनुसार किया जाता है।

रेलपथ नवीकरण कार्यों की योजना बनाई जाती है और रेलपथ की अवस्था और विभिन्न अन्य कारकों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें निष्पादित किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पटरियों पर गाड़ियां अनुमत गति से सुरक्षात्मक रूप से चलाई जा सकें।

वर्ष 2024-25 (फरवरी, 2025 तक) के दौरान, लगभग 6,300 किलोमीटर रेलपथ का नवीकरण पूरा किया जा चुका है। दिनांक 01.03.2025 की स्थिति के अनुसार, नवीकरण के लिए लगभग 10,000 किलोमीटर रेलपथ को स्वीकृति दी गई है।

वर्ष 2014-25 (फरवरी, 2025 तक) के दौरान किए गए रेलपथ नवीकरण का विवरण निम्नानुसार है:

नवीकृत किए गए रेलपथ	~ 47,000 कि.मी.
व्यय	1,31,280 करोड़ रुपए

उपरोक्त रेलपथ नवीकरण में राजस्थान (सिरोही जिले में 68 कि.मी. सहित), मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्य में स्थित रेलपथ शामिल हैं।

पिछले वर्षों में माल लदान का विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	दुलाई किया गया माल
2004-05	602 मिलियन टन
2014-15	1098 मिलियन टन
2024-25	1617 मिलियन टन

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, रेलवे द्वारा लदान किया गया कुल माल लदान 1,600 मिलियन टन पार कर गया है, जिससे यह विश्व के शीर्ष 3 रेलों में शामिल हो गया है।

संरक्षा में सुधार लाने और रेलपथ की गति क्षमता बढ़ाने के लिए, किए गए विभिन्न उन्नयन संबंधी उपाय निम्नानुसार हैं:

- (i) 60 किमी, 90 अल्टीमेट टेन्साइल स्ट्रेंथ (यूटीएस) रेल, प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर (पीएससी) आधुनिक लोचदार फास्टनिंग वाले सामान्य/चौड़े बेस स्लीपर वाले आधुनिक रेलपथ घटकों का उपयोग करना।
- (ii) थिक वेब स्विच और वेल्डेबल सीएमएस क्रॉसिंग के साथ पीएससी स्लीपरों पर फैन शेप्ड टर्नआउट बिछाना।
- (iii) प्राथमिक रेलपथ नवीकरण के दौरान गर्डर पुलों पर स्टील चैनल/एच-बीम स्लीपर उपलब्ध कराना।
- (iv) जोड़ों की वेल्डिंग से बचने के लिए 130 मीटर/260 मीटर लंबे रेल पैनलों का उपयोग।
- (v) मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग संयंत्र द्वारा फील्ड-वेल्डिंग और चरणबद्ध सरणी प्रौद्योगिकी द्वारा पटरियों/वेल्ड की उन्नत यूएसएफडी परीक्षण तकनीक।
- (vi) रेलपथ रिलेइंग गाड़ियों, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग बदलने की मशीनों, रेलपथ बिछाने के उपकरणों आदि का उपयोग करते हुए रेलपथ नवीकरण/प्रतिस्थापन में मशीनीकरण।
- (vii) इष्टतम अनुरक्षण आवश्यकताओं को प्रक्षेपित करने के लिए एकीकृत रेलपथ निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) और दोलन निगरानी प्रणाली (ओएमएस) संस्थापित करना ताकि समग्र स्थिति का मूल्यांकन किया जा सके।
- (viii) रेलपथ अनुरक्षण के लिए उन्नत आधुनिक मशीनों को शामिल करना, जैसे हाई आउटपुट टैम्पर्स, उच्च आउटपुट वाली गिट्टी साफ करने वाली मशीनें और पटरी ग्राइंडिंग मशीनें आदि।
- (ix) पटरियों/दरारों के परीक्षण के लिए स्वचालित अल्ट्रासोनिक पटरी परीक्षण यान (एसपीयूआरटी) और जांच (यूएसएफडी) परीक्षण प्रणाली रेल-सह-सङ्क वाहन आधारित यूएसएसडी प्रणाली को अपनाना।
- (x) सटीक अनुरक्षण इनपुट प्राप्त करने के लिए विभिन्न स्रोतों से प्राप्त रेलपथ निरीक्षण रिकॉर्डों के एकीकरण और डेटा विश्लेषण के लिए वेब सक्षम रेलपथ प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करना।

उपरोक्त उपायों के परिणामस्वरूप, 110 कि.मी. प्रति घंटा और 130 कि.मी. प्रति घंटा की गति क्षमता वाली रेल पटरियों का विवरण निम्नानुसार है:

110 कि.मी. प्रति घंटा और उससे अधिक की गति क्षमता	
2014	~ 31,000 कि.मी.
2025 (अभी तक)	~ 80,000 कि.मी. (2.5 गुना से अधिक)

130 कि.मी. प्रति घंटा की गति क्षमता	
2014	~ 5000 कि.मी.
2025 (अभी तक)	~ 23,000 कि.मी. (4.6 गुना से अधिक)

130 कि.मी. प्रति घंटे की गति क्षमता वाले रेलखंडों का जोन-वार व्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	जोन	खंड
1	मध्य रेलवे	जुझारपुर - बल्हारशाह
2	मध्य रेलवे	इगतपुरी - भुसावल - वर्धा
3	मध्य रेलवे	पुणे - दौँड - सोलापुर - वाडी
4	पूर्व रेलवे	प्रधान खांटा - हावड़ा
5	पूर्व रेलवे	सालानपुर - झाझा
6	पूर्व मध्य रेलवे	पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. - प्रधान खांटा
7	पूर्व मध्य रेलवे	पं. दीनदयाल उपाध्याय जं.- झाझा
8	पूर्व तट रेलवे	भद्रक - विशाखापट्टनम
9	उत्तर रेलवे	नई दिल्ली - पलवल
10	उत्तर रेलवे	नई दिल्ली - चिपियाना बुजुर्ग
11	उत्तर रेलवे	दिल्ली - अम्बाला कैंट - लुधियाना
12	उत्तर मध्य रेलवे	पलवल-ललितपुर
13	उत्तर मध्य रेलवे	चिपियाना बुजुर्ग - पं. दीन दयाल उपाध्याय
14	उत्तर पश्चिम रेलवे	मदार - पालनपुर
15	उत्तर पश्चिम रेलवे	रेवाड़ी - मदार
16	दक्षिण रेलवे	गुड्र - चेन्नई
17	दक्षिण रेलवे	रेणिगुंटा जं. - अरक्कोणम जं. - चेन्नई
18	दक्षिण रेलवे	अरक्कोणम - जोलारपेटै

19	दक्षिण मध्य रेलवे	बल्लारशाह - विजयवाड़ा
20	दक्षिण मध्य रेलवे	दुव्वाडा - गूदूर
21	दक्षिण मध्य रेलवे	वाडी - रेणिंगुंटा जं.
22	दक्षिण मध्य रेलवे	काजीपेट- सिंकंदराबाद
23	दक्षिण मध्य रेलवे	धर्मावरम - गुत्ती
24	दक्षिण पूर्व रेलवे	झारसुगुड़ा-राऊरकेला-हावड़ा
25	दक्षिण पूर्व रेलवे	खड़गपुर-भद्रक
26	दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे	नागपुर-झारसुगुड़ा
27	दक्षिण पश्चिम रेलवे	जोलारपेट्टै जं.(ईएक्सएल) - बैंगलुरु सिटी जं.
28	पश्चिम रेलवे	नागदा-रतलाम
29	पश्चिम रेलवे	गोधरा-विरार
30	पश्चिम रेलवे	वडोदरा-अहमदाबाद
31	पश्चिम मध्य रेलवे	मथुरा-नागदा
32	पश्चिम मध्य रेलवे	बीना-जुझारपुर
33	पश्चिम मध्य रेलवे	खंडवा-इटारसी

(छ) और (ज): समर्पित माल गलियारे का निर्माण डीएफसीसीआईएल द्वारा किया जा रहा है, जो रेल मंत्रालय के अधीन एक विशेष प्रयोज्य योजना है। दो समर्पित माल गलियारे अर्थात लुधियाना से सोननगर (1337 कि.मी.) तक पूर्वी समर्पित माल गलियारा (ईडीएफसी) और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (जेएनपीटी) से दादरी (1506 कि.मी.) तक पश्चिमी समर्पित माल गलियारा (डब्ल्यूडीएफसी) के निर्माण की योजना बनाई गई है। कुल 2843 कि.मी. में से 2741 मार्ग किलोमीटर (96.4%) को कमीशन किया गया है और परिचालित किया जा रहा है। शेष खंड पर कार्य शुरू किए गए हैं।

फरवरी, 2025 तक, समर्पित माल गलियारा परियोजनाओं पर 99,034 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है।

\*\*\*\*\*